29.09.20

अपठित गद्यांश

भारतभूमि को समय-समय पर अनेक महापुरुषों को अपने जन्म से अलंकृत किया है। उनमें से अहिंसा और शांति देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को कौन नहीं जानता? इन्होंने सत्य और अहिंसा के अस्त्रों से मातृभूमि की परतंत्रता की जंजीरों को उखाड़ फेंका।

गाँधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। प्यार से लोग 'बापू' कहकर पुकारते थे। इनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ। इनके पिता का नाम करमचंद गाँधी तथा माता का नाम पुतलीबाई था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा अपने देश में हुई। ये सन् 1888 में वकालत करने इंग्लैंड गए। बैरिस्टर बनकर भारत लौटने पर इन्होंने बंबई में वकालत का कार्य प्रारंभ किया।

गाँधीजी सत्य के सच्चे पुजारी थे। वे हिंसा को पाप समझते थे। अत: उन्होंने अहिंसा का अस्त्र उठाया। इन्होंने जनता को प्रेरित किया। भारत के स्वाधीनता संग्राम में वे भाग लिए थे। अंत में सन् 1942 में 'अँग्रेजो भारत छोड़ो' आन्दोलन शुरू किया और 15 अगस्त सन् 1947 को भारत देश स्वतंत्र हो गया।

दुर्भाग्य से 30 जनवरी, सन् 1948 को नाथूराम गोडसे नामक एक भारतीय ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) महात्मा गाँधी ने कैसे मातृभूमि की परतंत्रता की जंजीरों को उखाड़ फेंका?

(उत्तर)

(ख) गाँधीजी का पूरा नाम क्या है?

(उत्तर)

(ग) गाँधीजी का ~~का~~ जन्म कहाँ हुआ था?

(उत्तर)

(घ) वे वकालत करने कहाँ गए थे?

(उत्तर)

(ङ) 1942 में गाँधीजी कौन सा आन्दोलन किया था?

(उत्तर)

(2) गद्यांश से दो सर्वनाम और दो विशेषण छाँटकर लिखिए:

(उत्तर)

(3) इस गद्यांश का एक उचित शीर्षक दीजिए।

(उत्तर)

(4) विलोम शब्द लिखिए:

(क) पुण्य –

(ख) समाप्त –

(ग) परतंत्र –